चिंतन शिविर से विकास को आगे बढ़ाने में मिलेगी मदद : मुख्यमंत्री

गुड गवर्नेंस, अनावश्यक नियमों को हटाने, सरकारी एजेंसियों के पुनर्गठन पर विशेषज्ञों ने प्रकाश डाला

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

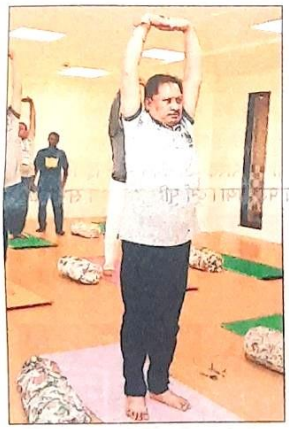

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को आईआईएम में दो दिवसीय चिंतन शिविर के समापन के बाद पत्रकारों से चर्चा में कहा कि चिंतन शिविर में विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर अपनी बातें रखी हैं, जिसे मंत्रिमंडल के सदस्यों ने पूरी गंभीरता से सुना है और सीखा है। छत्तीसगढ़ के विकास को और आगे बढ़ाने में इस शिविर का लाभ मिलेगा। नवा रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में दो दिवसीय चिंतन शिविर 2.0 का सोमवार को विधिवत समापन हुआ। समापन सत्र में केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने के नवाचारों और सुशासन की आधुनिक तकनीकों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री व उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों ने विषय विशेषज्ञों के साथ सुशासन के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए।

प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने 'आर्ट ऑफ गुड गवर्नेंस' विषय पर व्याख्यान देते हुए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, राज्य की क्षमताओं में वृद्धि करने, अनावश्यक नियमों को हटाने तथा सरकारी एजेंसियों के पुनर्गठन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरकारें अपने नीति-निर्धारण और कार्यान्वयन की गुणवत्ता को कैसे अधिक प्रभावी बना सकती हैं। इसी तरह डिजिटल हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने डिजिटल स्वास्थ्य तकनीकें और सुशासन के सम्बन्ध में बताया कि डिजिटल हेल्थ टेक्नोलॉजीज दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम हैं। उन्होंने ई-हेल्थ रिकॉर्ड्स, टेलीमेडिसिन, मोबाइल हेल्थ एप्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य तकनीक से न केवल स्वास्थ्य सेवाएं सशक्त होती हैं, बल्कि शासन के प्रति आम जनता का भरोसा भी बढ़ता है।

योगासन से चिंतन शिविर के दूसरे दिन की हुई शुरुआत

चिंतन शिविर के दूसरे दिन मुख्यमंत्री श्री साय समेत मंत्रिमंडल के सदस्यों ने आईआईएम के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में योगासन कर दिन की शुरुआत की। मुख्यमंत्री श्री साय ने योग को स्वस्थ जीवनशैली का आधार बताते हुए कहा कि योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है और हमें प्रकृति के अधिक समीप लाता है। यह योगाभ्यास न केवल एक प्रेरणादायक पहल थी, बल्कि प्रदेश में स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का भी सशक्त संदेश था। मुख्यमंत्री श्री साय के साथ इस योग सत्र में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे।

पारदर्शी शासन प्रणाली से जनता का बढ़ता है विश्वास : माहुरकर

शिविर में राजनीतिक विश्लेषक और लेखक उदय माहुरकर ने 'गुड गवर्नेंस टू इलेक्शन' विषय पर भारतीय लोकतंत्र के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, राजनीतिक आचरण की गुणवत्ता, प्रशासनिक जवाबदेही और नीतियों के जन-हितैषी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि सशक्त और पारदर्शी शासन प्रणाली लोकतंत्र में जनता का विश्वास बढ़ाती है और चुनावी प्रक्रिया को भी प्रभावित करती है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सुशासन को मज़बूत करने, चुनावों में पारदर्शिता लाने और प्रशासन में नैतिक मूल्यों की स्थापना के उपायों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत तथा भारतीय प्रबंध संस्थान के निदेशक राम काकानी भी उपस्थित थे।

Navbharat (my city p-05)10th June 2025